

असाधारराः EYTRAGEDINARY

भाषा 11—खण्ड 3—उप-खण्ड (i) PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्रतिथकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 269] नई दिल्ली, बृहस्पतिबार, जुलाई 25, 1991/आवण 3, 1913 No. 269] NEW DELHI, THURSDAY, JULY 25, 1991/SRAVANA 3, 1913

इ.स. भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

विस्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

श्रधिसूचना

नई दिल्ली, 25 जुलाई, 1991

गं. 114-सीमा-गुल्क 91

सा.का.ति. 499 (ग्र): — केन्द्रीय मरकार, सीभा-शुल्क श्रिधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना श्रावश्यक है, भारत सरकार के

वित्त मंत्रालय (राजस्य विभाग) की श्रधिमूचना मं. 263--मामाणुल्क/85, तारीख 16 श्रगम्त, 1985 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, ग्रथांत्:--

संशोधन

उक्त अधिसूचना के ग्रारंभिक पैरा में;

- (क) गर्न (৪) के पण्चान्, निम्नलिखित गर्न अंत.स्थापित की जाएगी, प्रार्थान् :---
 - "(क) महायक कलक्टर, ऐसी णतों के प्रधीन रहते हुए, जो वह विहित करे, जोन में विनिर्मित माल का, विकास ग्रायुक्त द्वारा दी गई श्रावश्यक प्रमुज्ञा और भारत सरकार वाणिज्य मंत्रालय द्वारा जारी की गई "प्रक्रिया पुस्तिका" (ग्रप्रैल, 1990-मार्च, 1993) के पैरा 413 में विहित जर्ती को पूरा करने के प्रधीन रहते हुए, उस जीन के एकक से किसी ग्रन्थ जीन के किसी एकक को या किसी जत-प्रतिज्ञत निर्यातीत्मुख एकक को प्रदाय अंतरण करने की ग्रम्जा दे सकेगा।"
- (ख) मर्न (१) में मद (ज) के पण्चात्, निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, ग्रथीत् :---
- "(झ) ऐसा माल जिसका जोन में विनिर्माण किया गया है और जो उस जोन के एक एकक से किसी भ्रन्य जोन के किसी एकक को या किसी शत-प्रतिशत निर्यातीन्मुख एकक को प्रवाय/अंतरण करने के लिए श्रन्जात है।"

[सं. 114--सीमाणुल्क/91--फा.सं. 305 25 91-एफ टी.टी. (पी टी)] एल. जयशेखर, प्रवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)
NOTIFICATION

New Delhi, the 25th July, 1991

NO, 114-CUSTOMS[91

G.S.R. No. 499 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (I) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of

India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 203-Cus 85, *dated the 16th August, 1985, namely :-

AMENDMENT

In the said notification, in the opening paragraph, (a) after condition (8), the following condition shall be inserted, namely:

- "(8A) The Assistant Collector may, subject to such conditions as may be prescribed by him, allow goods manufactured in the Zone to be supplied transferred from a unit in the Zone to a unit in another zone or to a 100 per cent Export Oriented Unit subject to necessary Permission granted by the Development Commissioner and satisfaction of conditions prescribed in para 413 of the 'Hand Book of Procedures' (April 1990-March 1993) issued by the Government of India, Ministry of Commerce", (b) in condition (9), alter item (h), the following shall be,
 - substituted, namely '-
 - "(i) goods manufactured in the zone and which are allowed to be supplied transferred from a unit in the zone to a unit in another zone or to a 100 per cent Export Oriented Unit".

[No. 114-Customs|91-F, No. 305!25[91-F4TI (Pt.)] L. JAYASEKAR. Undur Secy.